श्री गजानन महाराज आरती मराठी

श्री गजानन महाराज आरती मराठी
जय जय सतचित स्वरूपा स्वामी गणराया।
अवतरलासी भूवर जड मुढ ताराया।।

जयदेव जयदेव
निगुण ब्रह्म सिाति अव्यय अवविाशी।
स्स्िरिर व्यापूि उरलें जे या जगताशी।।

तें तूं तत्त्व खरोखर निि:सूंशय असमी।
लीलामात्रें धररलें माि‍व देहासी।।

जयदेव जयदेव
होऊूंि देशी त्याि‍ी जाणणव तूं कवणा।
करुि‍ी गणण गण गणाूंत बोते या भजिा।।

धाता हररहर (िरहरी) गुरुवर तूंचि सुखसदिा।
स्जकडें पहावे नतकडे तूं ददससी ियिा।।

जयदेव जयदेव
लीला अिूंत केल्या बूंकट सदिास।
पेटववलें त्या अग्िीवाूिी चिलमेस।।

क्षणाूंत आणणलें जीवि निजुल वापीस।
केला ब्रह्मचगरीच्या गवाुिा िाश।।

जयदेव जयदेव

व्याधी वारुि केलें कैकाूंसूंपन्ि।
करववले भक्तालागी ववठ्ठल दशुि।।

भवससूंधू हा तरण्या िौका तव िरण।
स्वामी दासगणूिे मान्य करा कवि।।

जयदेव जयदेव
जय जय सतचित-स्वरूपा स्वामी गणराया।
अवतरलासी भूवर जड मुढ ताराया।।

जयदेव जयदेव